

कबीर की सांखियाँ

नाम -  
अंकमांक -  
कक्षा -

- प्र०: कबीर के दोहों की भाषा त २ हैं?
१. कबीर कौन-से काल के कवि हैं?
  २. इनके दोहों को 'साखी' क्यों कहा जाता है?
  ३. कबीरदास तलवार का नहीं म्यान का मौल करने को क्यों कहते हैं?
  ४. कबीर मनुष्य को गाली न देने की शिक्षा क्यों देते हैं?
  ५. कबीर के अनुसार ईश्वर का उत्तम नाम स्मरण क्या है?
  ६. कबीर दास की निंदा करने से मना करते हैं? क्यों? के वास्तव में क्या बताना चाहते हैं?
  ७. 'या आपा को डारिदे, दया करै सब कोय' इस पंक्ति में 'आपा' का क्या अर्थ है? और उसे क्यों त्यागना चाहिए?
  ८. निम्नलिखित क्षेत्रीय शब्दों के परिचित रूप लिखिए।
    - क) म्यान
    - ख) जीभ
    - ग) पाऊँ
    - घ) तालि
    - ङ) आंखि
    - च) बरी
    - छ) गारी
    - ज) दहं

'कबीर के दोह आज के समय में भी प्रासंगिक हैं।' विषय पर अपने विचार लिखिए।

आपा, उत्साह तथा आत्मविश्वास में क्या अंतर है?

1. अकबरी लोटां पाठ की विद्या तथा लेखक का नाम लिखें।
2. पत्नी द्वारा ढाई सौ रुपये माँगने पर लाला झाऊलाल की क्या दशा हुई?
3. पत्नी द्वारा लाया गया लोटा लाला झाऊलाल को नापसंद क्यों था?
4. लाला ने चुपचाप लोटे से पानी क्यों पी लिया?
5. बुजुर्गों ने पानी पीने के संबंध में कौन-कौन से नियम बनाए थे?
6. लोटा गिरने पर अंग्रेज की क्या दशा हुई?
7. पं० बिलवासी मिश्र कौन थे? उन्होंने लाला झाऊलाल को पहचानने से इंकार क्यों कर दिया?
8. पं० बिलवासी मिश्र उसे लोटे को क्यों खरीदना चाहते थे?
9. मेजर डगलस कौन था? अंग्रेज को उससे इच्छा क्यों थी?
10. अंग्रेज ने लोटा कितने रुपये में और क्यों खरीदा?
11. पं० बिलवासी मिश्र ने ढाई सौ रुपयों का प्रबंध कहाँ से किया था?
12. लाला झाऊलाल की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।
13. निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बनाएँ।
  - 1) चारों खाने चिल्ल डो जाना
  - 2) ठुम दबाकर भाग जाना
  - 3) दो और दो जोड़ना
  - 4) ताव झा जाना
  - 5) काटो तो बदन में खून नहीं
14. मूल शब्द तथा प्रत्यय / उपसर्ग अलग करके लिखें  
 मासिक, असमर्थ, नापसंद, अनाधिकारी, ऐतिहासिक, प्रसन्नता, सुशिक्षित
15. विलोम शब्द लिखें -  
 पक्ष, दाँए, निश्चय, प्रसन्नता, प्रश्न।

10. प्रस्तुत कविता के कवि तथा भाषा का नाम लिखें।

1. भगवान के डाकिये कौन हैं?

2. भगवान के डाकिये क्या संदेश लाते हैं?

3. मनुष्य उन संदेशों को क्यों नहीं पढ़ पाते?

4. डाकियों की चिट्ठियों को कौन-कौन पढ़ पाते हैं?

5. 'एक देश से उठा आप दूसरे देश में पानी बनकर गिरता है।' इस पंक्ति का भाव स्पष्ट करें।

6. 'इंटरनेट का प्रचलन होने से चिट्ठियों का महत्व कम हो गया है।' इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कुछ पंक्तियाँ लिखें।

7. 'डाकिए की भूमिका तब और अब' विषय पर अपने विचार लिखें।

8. दो-दो पद्यिताची शब्द लिखें:-

1) पक्षी

2) बादल

3) पेड़

4) पानी

5) पहाड़

6) धरती

पक्षी और बादल को ही भगवान के डाकिए क्यों कहा गया है?

नाम-

कक्षा-

अनुक्रमांक-

विषय- हिंदी

अधिन्यास कार्य (यह सबसे कठिन समय नहीं)

1. प्रस्तुत कविता की कवयित्री तथा भाषा का नाम लिखें।
2. इस कविता का मूल भाव / संदेश क्या है? विस्तार से लिखिए।
3. चिड़िया तिनके का क्या करेगी?
4. 'अभी भी झरती हुई पत्ती धामने को बैठा है हाथ एक' पंक्ति द्वारा कवयित्री क्या कहना चाहती हैं?
5. इस कविता में कौन-सी प्राचीन कहानी के बारे में बताया गया है?
6. व्यक्ति को निराशा छोड़ आशावादी होने के लिए कवयित्री ने कौन-कौन से तर्क दिए हैं?
7. 'अभी भी' का प्रयोग करते हुए चार वाक्य लिखिए।
8. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखें।  
सूरज दुनिया
9. आज के माहौल में इतनी निराशा क्यों है?
10. आप जब भी बाहर से आते हैं, कोई आपकी प्रतीक्षा कर रहा होता है। इस प्रतीक्षा करने वाले के विषय में आप क्या सोचते हैं? लिखिए।
11. 'निराशा से आशा की ओर' विषय पर एक स्लोगन लिखिए। (आधिकतम चार पंक्तियाँ, न्यूनतम दो)

भा- निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए:

- |            |       |       |
|------------|-------|-------|
| (i) उप     | _____ | _____ |
| (ii) अ     | _____ | _____ |
| (iii) अन   | _____ | _____ |
| (iv) पर    | _____ | _____ |
| (v) कु     | _____ | _____ |
| (vi) अध    | _____ | _____ |
| (vii) आ    | _____ | _____ |
| (viii) दुस | _____ | _____ |
| ख वि       | _____ | _____ |
| ख बिन      | _____ | _____ |

भे- निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और उपसर्ग अलग-अलग कीजिए।

- शब्द
- संपूर्ण
- अधोगमते
- चिरायु
- सहयोग
- बदबू
- अतिप्रिय
- बाइज्जत
- सरकार
- परिक्रमा
- अवकाश

उपसर्ग

मूल शब्द

ग- निम्नलिखित वाक्यों में वे शब्द रेखांकित करें, जिनमें उपसर्गों का प्रयोग किया गया है।

मनुष्य दुर्गम स्थानों पर निर्गुण, निराकार परमात्मा को ढूँढता है।  
अन्याय के विसृद्ध जनता की प्रतिक्रिया का परिणाम हम अक्सर देखते हैं।  
वह अनजानी दिशा की ओर निडरता से बढ़-चला।

। कलयुग में अत्याचार और अधर्म का प्रभाव बढ़ता जा रहा है।

। डिप्टी-डायरेक्टर ने बाइज्जत उस खुशामिजाज आदमी को बुलाया।